Publication	Rashtriya Sahara
Date	23rd September, 2015
Page No.	06
Edition	New Delhi

अदम्य साहस के बल पर इतिहास रचने वालों को करेंगे सम्मानित

नई दिल्ली (एसएनबी)। 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर बिहार के गया जिले के रहने वाले मजदूर दशरथ मांझी ने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी मेहनत के बाद एक पहाड़ का सीना चीर कर जनता के लिए रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का यह एक उदाहरण है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने 'राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान' दिये जाने की घोषणा की है।

इस सम्मान को शुरू किये जाने की घोषणा जीएसपीएल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल ने की। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान' के आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पैहचान कर उन्हें बढ़ावा देना। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है हम उन कहानियों को समाज के समाने लाये जो अभी तक अनसुनी रही हैं। साहस और संकल्प की ये कहानियां समाज में परिवर्तन लेकर आएंगी।